NEWSLETTER

HIGLIGHTS

WITH VISUAL GLIMPSES

COVERAGE IN THE DAINIK BHASKAR

An article dated 16th November saluted the vision and inspiring journey of **Mrs. Bharati Gandhi**, one of the founders of Kshitij - an NGO dedicated to supporting adults with intellectual challenges. **Mrs. Kiran Malkani, Mrs. Beena Modak, and Mrs. Neela Bhatia**, also mothers of children with intellectual disabilities, co-founded Kshitij 26 years ago with her, after recognizing the gap in services for such individuals, over 18 years.

Mrs. Gandhi's journey began over 30 years ago when she volunteered in the LD department at S.P.J. Sadhana School, after acquiring B.Sc. and LLB degrees. With a strong belief in education as a tool for transformation, she chose to focus on empowering individuals with **intellectual challenges arising from brain damage, autism, and Down syndrome**, rather than lamenting over their difficulties.

शक्तिपीठ

मतिमंद बच्चों को किया आत्मनिर्भर पढ़ाई के साथ सिखाए कमाई के गुर

भारती गांधी तीन अन्य माताओं के साथ 26 साल से जुटी हैं मुहिम में

नीतू सिंह | मां अपने बच्चे को निःस्वार्थ और असीमित प्रेम से सींचती है। अगर जन्म से ही उसका बच्चा किसी मानसिक या शारीरिक बीमारी से पीड़ित हो, तो मां उसके लिए पूरी दुनिया से लड़ जाती है। जीवन भर खुद को भूल सिर्फ उसकी देखभाल में समर्पित रहती है। ऐसी ही एक मां हैं भारती गांधी। उन्होंने न सिर्फ अपने स्लो लर्नर (ब्रेन डैमेज) से पीड़ित बच्चे को संभाला और आत्मनिर्भर बनाया बल्कि दूसरों के बच्चों के लिए भी आगे आकर पिछले 26 साल से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में जुटी हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी उनकी ही जुबानी...

परवरिश और पढ़ाई कर्नाटक में

मेरी परवरिश और पढ़ाई कर्नाटक से हुई है। मैंने बीएससी और एलएलबी की डिग्री के साथ साधना स्कूल के लर्निंग एंड डिसेबिलिटी विभाग में एक स्वयंसेवक के रूप में 30 साल से अधिक सामाजिक कार्य किए। मुझे लगता है अगर आप शिक्षित है तो आप सारी समस्याओं का हल ढूंढ सकते हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप समस्या पर रोने के बजाय उसका समाधान ढूंढे। कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा।

बेटी स्वस्थ, बेटा स्लो लर्नर

मेरी बेटी बिल्कुल स्वस्थ है लेकिन बेटा ब्रेन डैमेज के कारण स्लो लर्नर है। मैंने उसे स्पेशल स्कूल भेजा लेकिन ऐसे बच्चों को सिर्फ 18 साल की उम्र तक ही इन स्कूलों में पढ़ाया जाता है। मुझे उसके भविष्य की चिंता थी। बार-बार यही सवाल मन में आ रहा था कि 18 या 19 साल के बाद इन बच्चों का क्या भविष्य होगा?

हम चार मां ने मिलकर बनाया क्षितिज

उन दिनों मेरी मुलाकात कई ऐसी मांओं से हुई जो इसी परेशानी से जूझ रही थीं। उनके मन में भी यही सवाल थे कि आगे हमारे बच्चों का जीवन कैसे गुजरेगा। हमने चर्चा करके सोचा कि हम ही इसकी पहल करते हैं। हमारे साथ इस मुहिम में कई पेरेंट्स थे लेकिन धीरे-धीरे लोग पीछे हटते चले गए। आखिर में हम चार मांएं बचीं। हमने 1998 में क्षितिज ट्रस्ट की शुरुआत अपने 4 बच्चों से की। मेरे साथ किरण मलकानी, बीना मोदक और नीला भाटिया भी इस मुहिम में शामिल थीं। हमारे पास कोई फंड नहीं था। इसलिए हमने शुरू में पहले कुछ न कुछ नौकरियां कीं।

कपड़े के लिफाफे बनाने शुरू किए

हमें समझ नहीं आ रहा था कि इन बच्चों से क्या और कैसे काम करवाएं। हमें उस वक्त एक सलाह मिली कि इनसे कपड़ों के लिफाफे बनवा सकते हैं। हमने डोनेट किए हुए लेकिन अच्छे कपड़ों को इकट्ठा किया और उनसे लिफाफे बनाने शुरू किए। लिफाफा बनाते हैं, जो आज भी काफी लोकप्रिय है। ये बच्चे 26 साल से लिफाफे बना रहे हैं।

क्षितिज में 18 साल के बाद दाखिला

इन स्पेशल स्कूलों में डाउन सिंड्रोम, ऑटिज्म और ब्रेन डैमेज जैसी मानसिक अक्षमताओं वाले बच्चे पढ़ते हैं। बड़े होने पर भी कुछ लोग इन्हें बच्चा कहकर ही संबोधित करते हैं जो इन्हें बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। ये खुद को वयस्क कहलाना पसंद करते हैं। इसलिए हमने सोचा कि हम इन्हें वयस्क की तरह ही तैयार करेंगे। क्षितिज में दाखिला ही 18 वर्ष की उम्र के बाद होता है। हम अलग-अलग वर्कशॉप के जरिए इनसे काम करवाते हैं। इन्हें हफ्ते भर का मेहनताना दिया जाता है।

बच्चों के अनुसार काम की खोज

हमारे पास तरह-तरह के बच्चे आते हैं ... डिस्लेक्सिक, डाउन सिंड्रोम, स्लो लर्नर्स, ध्यान लगाने में अक्षम, ऑटोस्टिक बच्चे हमारे यहां है। इसलिए हमें उनकी क्षमता के हिसाब से काम को खोजना पड़ता है। सब एक जैसा काम नहीं कर सकते। शुरुआत में हम इन्हें काम के एवज में 20 रुपए देते थे। आज हम इन्हें हर हफ्ते 700 रुपए देते हैं। ये सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक काम करते हैं।

रंगोली, स्टैंसिल पेंटिंग, चॉकलेट, फरसाण बनाते हैं

हमने लिफाफे के बाद इन्हें रंगोली बनाना सिखाया। एक टीचर ने इन्हें टेबल मैट पर स्टैंसिल पेंटिंग सिखाई। फिर हमने रतन टाटा ट्रस्ट के सहयोग से बैग्स पर ब्लॉक पेंटिंग शुरू की। दिवाली के वक्त दियों की पेंटिंग शुरू की। हम तोरण और लटकन सब बनाते हैं। हमारे बच्चे चॉकलेट भी बनाते हैं। दिवाली पर फरसाण भी बनाते हैं। कुकी, मुखवास, चिवड़ा-चकली, खजूर ...

स्कूल नहीं, स्पेशल बच्चों का वर्क प्लेस

यह स्कूल नहीं बल्कि एक वर्कप्लेस है। यहां ये काम करके कमाते हैं। हमने क्षितिज के नाम के साथ लिखा है- विशेष मुलांचे व्यावसायिक केंद्र। इनके बनाए सामान लोग लेना पसंद करते हैं। हमने कई प्रदर्शनियों में भाग लिया है। उनकी क्षमता को निखारने की हर तरह की कोशिश की है। हम इनके लिए थेरेपी और कॉउंसिलिंग की भी व्यवस्था करते हैं क्योंकि इनकी भी तो उम्र बढ़ रही है, इन्हें भी सलाह और देखभाल की जरूरत है। हम इन्हें वही सब कुछ प्रदान करते हैं।

आत्मनिर्भर बन आत्मविश्वास बढ़ा

दिन भर काम में व्यस्त रहकर ये इतना खुश होते हैं कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इनका आत्मविश्वास काफी बढ़ जाता है। प्रदर्शनियों के दौरान या कभी कोई मेहमान जब इनसे मिलने आता है तो यह अपना इंट्रोडक्शन खुद देना पसंद करते हैं। हम बस सबकी धारणा बदलना चाहते हैं। लोग इन्हे पागल कहकर संबोधित करते हैं जो सही नहीं है। ये पागल नहीं हैं बल्कि एक मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं। ये मानसिक विकलांग हैं लेकिन काम कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

क्षितिज की उपलब्धियां

- क्षितिज के टॉकहोलिक्स प्रोडक्शन द्वारा बनाए गए प्रभावशाली और मार्मिक वीडियो को वन फाउंडेशन की ओर से वन अर्थ एन द चेंज चैलेंज के फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया।
- ट्रस्टी भारती गांधी को अनसंग हीरो अवार्ड (2014)।
- ट्रस्टी भारती गांधी को उत्कृष्ट सामाजिक कार्य के लिए एकादशी सत्संग समूह की दिव्यांगों की सेवा में उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और योगदान के लिए अवार्ड (2019)।
- ट्रस्टी बीना मोदक को वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड (2019)।

Kshitij began by offering training in making fabric envelopes from donated materials and has since expanded its skill development opportunities for adults with intellectual challenges. The robust skill development program now includes **block printing, stencil painting, making paper bags, painting pots and diyas, stonework, beading, preparing chocolates, cookies, snacks, and more**. Designed to align with the adults' capacities, such training not only helps in developing their skills but also provides them a sense of accomplishment.

Kshitij is not a school but a sheltered workplace providing a supportive environment to the adults. **Functional skills for daily living, counseling, OT, physical & creative activities** enable holistic growth, while a weekly stipend reinforces their self-worth. Such initiatives have enhanced their confidence. Our adults are delighted to introduce themselves and love being our brand ambassadors. Kshitij aims to challenge public misconceptions and help our adults lead lives of dignity, self-reliance, inclusiveness. Our website: **www.kshitij-ngo.org** showcases our products & invites the public to meet our adults who are an integral part of this transformative journey.

NEWSLETTER

HIGLIGHTS

WITH VISUAL GLIMPSES

CELEBRATING FOR A CAUSE

Ummeed Child Development Centre celebrated the International Day of Persons with Disabilities by hosting their 'Family Day' on 1st December at the Dadar Parsi Gymkhana grounds. A day of fun, food, pets, books, and games, it also provided the chance to exhibit and sell our products. With music & dance performances put up by adults with special needs, and art & craft activities, it was a fruitful day out for families having individuals with special needs to be able to participate in an inclusive community event.

Dr. Vibha Krishnamurthy, Founder - Ummeed CDC at the Kshitij stall

DIWALI FESTIVITIES

The festival of Lights always brings a hope for a brighter tomorrow for our adults with special needs. They were thrilled to participate in the activity of stringing flowers for making marigold garlands - a religious decoration widely used during Diwali to usher prosperity and good tidings.

A NOTE OF THANKS

The **Kulkarni family** celebrated their daughter's birthday by distributing cake and goodies to the adults at Kshitij's Mumbai Central premises on 30th October, along with a thoughtful donation.

Kshitij

Sheltered Workplace for Intellectually Challenged Adults

Oct. to Dec.2024

www.kshitij-ngo.org

NEWSLETTER

HIGLIGHTS

WITH VISUAL GLIMPSES

AN EXPERIENCE TO CHERISH

Our adults had a blast participating in the fest held by **ADAPT (Able Disabled All People Together)** on 4th December at the Chhatrapati Shivaji Maharaj Vastu Sangrahalaya lawns. This exciting and interactive festival found our adults enthusiastically engaging in pottery, block printing, origami, nail art, tattoo making, and more. The highlight was a lively Bollywood song medley performed by them, to loud cheers and applause. Participants were divided into small groups throughout the day, allowing everyone to explore their interests and create unique crafts. By the end, everyone left with not only their handmade creations but also cherished memories, and a sense of joy and accomplishment.

HAPPY TO VOTE

Our adults were most excited to discharge their duty of voting for their representatives during the Assembly elections held on 20th November. This action took them one step closer to the social inclusiveness they crave for.

Email: info@kshitij-ngo.org

Instagram: kshitij.ngo

Kshitij
Sheltered Workplace for Intellectually Challenged Adults

Oct. to Dec. 2024

www.kshitij-ngo.org

NEWSLETTER

HIGLIGHTS

CELEBRATION OF INTERNATIONAL HUMAN RIGHTS DAY - 10TH DEC.

Kshitij founder - trustees were honoured to attend the meet hosted by **Maharahtra State Human Rights Commission** on this day. Held at Chief Guest - (Governor) Mr. Radhakrishnan's Bungalow, several legal and other dignitaries graced this event. It was an enriching experience with presentations on Human Rights of diverse groups, like the differently abled, senior citizens, marginalised communities, & others.

CHRISTMAS CHEER SHARED WITH GILDER LANE BMC SCHOOL STUDENTS

Kshitij adults have always enjoyed celebrating festivals with the students of the Gilder Lane BMC School, where one of our workplaces is located. This time we were delighted to have their students join our Christmas celebrations.

WITH VISUAL GLIMPSES

ANOTHER NOTE OF THANKS

Kshitij is thankful to **Samuel and Scarlet** for spreading the Christmas spirit on 20th December, with music, fun and frolic. Samuel's generous gesture of distributing snack boxes brought wide smiles of appreciation and enjoyment by our adults.

Email: info@kshitij-ngo.org

Instagram: kshitij.ngo

Kshitij

Sheltered Workplace for Intellectually Challenged Adults

Oct. to Dec. 2024

www.kshitij-ngo.org

NEWSLETTER

HIGLIGHTS

FESTIVE EXHIBITIONS

The period from Diwali to Christmas is when Kshitij takes up opportunities for maximum outreach of its products through participation in exhibitions held by various institutions. **Abbot India, IMC Ladies' Wing Women Entrepreneurs 2024, Inner Wheel Club of Bombay, Shapoorji Pallonji Group, Shardul Amarchand, Bajaj Electricals, and Dadar Bhagini Samaj, 27 Bake House and Mithibai College** were organisations whose offers were fruitfully taken up by Kshitij, bearing rich dividends during this festive period.

WITH VISUAL GLIMPSES

YOUR SUPPORT MEANS A LOT TO US!

YOU CAN DONATE

Your contributions will take our adults closer to a life of dignity and self-reliance. Donations are exempt u/ Sec. 80G of the Income Tax Act.

Donations may be made by crossed cheque or bank transfer as per the following bank details:

KSHITIJ
HDFC Bank
A/c no. 50100277413860
IFSC Code:HDFC0001201
Chowpatty Branch,Mumbai 7

Please email us at: info@kshitij-ngo.org with your PAN and address, after transfer of funds

ONLY REMITTANCES FROM INDIAN RESIDENT ACCOUNTS AND NRO ACCOUNTS ARE ACCEPTED

YOU CAN PURCHASE

Our adults happily working on different products during the year. Every purchase made by you will bring immense satisfaction and a sense of achievement to them.

Scan QR to pay
KSHITIJ
MUMBAI
TID: 62316762

Scan the QR with any BharatQR / UPI enabled app

YOU CAN ORDER ON 9930038094 / 96

Email: info@kshitij-ngo.org

Instagram: kshitij.ngo